DDM - NABARD Mr. Sanjay Arohan appreciated Community Contribution towards Petlawad Watershed Project

DDM – NABARD, Mr. Sanjay Arohan visited the Panchayats of Bakalda, Pithidi, Dhatoria and Bolasa in Petlawad Developmental Block of Jhabua in Madhya Pradesh where Watershed Project is being implemented by Gramin Vikas Trust and is funded by National Bank for Agriculture & Rural Development (NABARD) on 7th March, 2013.

Mr. Arohan monitored various activities carried under the Watershed Project such as pond deepening, improvement of playground, stone bunding, continuous contour, staggered contour, pit digging for plantation, road repair etc., and appreciated the contribution of the villagers towards such activities.

He also encouraged women to join Self Help Groups to promote savings and informed the villagers about the disadvantages of migration and advised them to stay rooted in their villages and earn their livelihoods through agriculture and other community activities.

In addition, Mr. Mukesh Upadhyay, an employee of GVT, presented a song based on the theme "Conservation of Natural Resources" and motivated villagers for participating in the promotional activities for conservation of land, water, forest and animals.

News clipping regarding the visit is posted as below.

झाबुआ

ग्रामीणों का श्रमदान देख सराहा कार्य

वाटरशेड कार्यों का मूल्यांकन

झाबुआ। पेटलावद विकासखंड की चार पंचायतों बेकल्दा, पिठड़ी, घतुरिया तथा बोलासा में राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वित्त पोषित वाटरशेड परियोजना का निरीक्षण किया था। परियोजना का क्रियान्वयन ग्रामीण विकास ट्रस्ट के माध्यम किया जा रहा है। प्रथम चरण में ग्रामीणजन श्रमदान से मृदा एवं जल संरक्षण, संवर्धन, वृक्षारोपण तथा पड़त भूमि विकास से जुड़े कार्य कर रहे हैं। निरीक्षण के दौरान श्रमदान के बल पर किए गए कार्य सराहे गए।

श्रमदान कार्यों की गुणवत्ता देखने तथा ग्रामीणों से चर्चा करने के उद्देश्य से नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक संजय अवरोहन तथा ग्रामीण विकास ट्रस्ट के क्षेत्रीय कार्यक्रम प्रबंधक राजीव खन्ना ने चारों पंचायतों के ग्रामों का निरीक्षण किया। श्रमदान से किए गए तालाब गहरीकरण, खेल मैदान सुधार, सतत कंटूर, असतत कंटूर, पौधारोपण के लिए गड्ढा खुदाई, पत्थर व मिट्टी से नाला बंधान, सड़क मरम्मत आदि कार्यों को देखकर सराहा। श्री आरोहन ने श्रमदान में शामिल महिलाओं से चर्चा करते हुए स्वयं सहायता समूहों से जुड़कर बचत करने के लिए प्रेरित किया। श्री खन्ना ने ग्रामीणों को पलायन से होने वाले नुकसानों के बारे मे बताया तथा गांव में ही रहकर मजदूरी व खेती से होने वाले फायदों की जानकारी दी। जीवीटी के मुकेश उपाध्याय ने विकास गीत के माध्यम से ग्रामीणों को जल, जंगल, जमीन, जानवर तथा जन से जुड़े संरक्षण व संवर्धन के कार्यों के लिए प्रेरित किया। इस दौरान सत्येन्द्रसिंह सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित थे। -निप्र

» पेटलावद विखं की चार पंचायतों का निरीक्षण